सरहुल पर्व

चर्चा में क्यों?

4 अप्रैल, 2022 को **आदिवासी समाज का सबसे बड़ा प्रकृति पर्व 'सरहुल'** पूरे झारखंड में धूमधाम से मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- राज्य की राजधानी के विभिन्न सरना स्थानों से आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हटमा स्थित सरना स्थल से निकाली गई शोभायात्रा प्रमुख थी।
- इस शोभायात्रा में आदिवासी समाज की महिलाएँ व पुरुष मांदर की थाप पर पूरे ताल में नृत्य कर रहे थे।
- गौरतलब है कि **सरहुल मध्य-पूर्व भारत और मध्य भारत के आदिवासी क्षेत्रों (मुख्यत: झारखंड, ओडिशा, बंगाल) में मनाया जाता है**।
- **चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया** को आयोजित किया जाने वाला **यह त्योहार धरती एवं सूर्य के विवाहोत्सव के रूप में मनाया जाता है।**
- यह पर्व **नए साल की शुरुआत का प्रतीक** है। इस पर्व पर पेड़ और प्रकृति के अन्य तत्त्वों की पूजा होती है, इस समय साल (शोरिया रोबस्टा) वृक्षों की शाखाओं पर नए फूल खिलते हैं। इस दिन **झारखंड में राजकीय अवकाश** रहता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sarhul-festival